सीएम ने आईआईएम में विधायकों के लिए दो दिवसीय पब्लिक लीडरशिप प्रोग्राम का किया शुभारंभ

हमेशा सीखते रहने से ही जनप्रतिनिधियों की भूमिका होगी प्रभावी: मुख्यमंत्री

रायपुर @ पत्रिका. हम सभी के बीच मतभेद हो सकते हैं, लेकिन मनभेद नहीं होना चाहिए और विधानसभा के सदस्यों में यह बात हमेशा से कायम है। छत्तीसगढ़ का विकास हमारा मूल उद्देश्य है और जनप्रतिनिधि के रूप में हमें प्रदेशवासियों के हित में सदैव समर्पित होकर काम करना है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ विधानसभा के सदस्यों के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर में शनिवार को आयोजित दो दिवसीय पब्लिक लीडरशिप प्रोग्राम के शुभारंभ सत्र को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने मन की बात कार्यक्रम में हमेशा सीखते रहने की बात करते हैं और निश्चित रूप से सीखने की कोई उम्र नहीं होती। यहां कई ऐसे विधायक मौजूद हैं, जिनका जनप्रतिनिधि के रूप में लंबा अनुभव है, लेकिन वे भी इस कार्यक्रम को लेकर बहुत अधिक उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, जनप्रतिनिधि के रूप में आमजनों से आपका व्यवहार सबसे बड़ी पूंजी है और यह लोगों के मन में आपके और संसदीय व्यवस्था के प्रति विश्वास को अधिक मजबूत करेगा।

छत्तीसगढ़ की बेहतरी के लिए कार्य करना: विधानसभा अध्यक्ष

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा, आप सभी विधायक सोच रहे होंगे कि जीतने के बाद हमारा प्रशिक्षण क्यों? जीतने के बाद हमारी जिम्मेदारी और भूमिका बढ़ जाती है, इसलिए हमें लगातार सीखते रहना चाहिए। हमें केवल अपने क्षेत्र के लिए नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की बेहतरी के लिए कार्य करना है। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा, विधायक बनते ही हम लीडर बन गए, ऐसा सोचना गलत धारण होगी। लीडर बनना एक प्रक्रिया है और हमें यह सीखना होगा।

Patrika,23 March, 2025